



# महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक हरियाणा

(NAAC से A+ ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय)

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC)  
द्वारा आयोजित

एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP)  
शिक्षक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम

**“वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में भारतीय ज्ञान प्रणाली  
का एकीकरण”**

(Integrating Indian Knowledge System in the  
Current Education Scenario)

अवधि

एक सप्ताह (13 – 18 फरवरी, 2026)

आयोजन माध्यम

ऑफलाइन एवं ऑनलाइन (मिश्रित माध्यम)

लक्षित समूह

सभी शिक्षण संकायों के सदस्य

## कार्यक्रम की रूपरेखा

### पृष्ठभूमि एवं औचित्य

भारत में दर्शन, विज्ञान, गणित, चिकित्सा, भाषाविज्ञान, पारिस्थितिकी, कला, वास्तुकला, प्रशासन, नैतिकता एवं शिक्षाशास्त्र से संबंधित एक समृद्ध एवं सतत ज्ञान परंपरा विद्यमान है। भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) एक समेकित, समग्र एवं मूल्य-आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जो सहस्राब्दियों से विकसित होती रही है और आज भी समकालीन सामाजिक, पर्यावरणीय एवं शैक्षिक चुनौतियों के समाधान में प्रासंगिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 शिक्षण-अधिगम की सभी स्तरों पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों के समावेशन पर विशेष बल देती है, जिससे शिक्षार्थियों में सांस्कृतिक गौरव, नैतिक चेतना, विविधविद्यावर्ती सोच तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता का विकास हो सके।

इस संदर्भ में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों, शोध एवं मूल्यांकन में भारतीय ज्ञान परंपराओं को प्रभावी ढंग से समाहित करने हेतु सुसंगत अभिमुखीकरण की आवश्यकता है। यह एक सप्ताह का क्षमता संवर्धन कार्यक्रम शिक्षकों को भारतीय ज्ञान प्रणाली की अवधारणात्मक समझ, शैक्षिक उपकरण एवं व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रदान करने हेतु तैयार किया गया है, ताकि NEP 2020 एवं UGC दिशानिर्देशों के अनुरूप शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ किया जा सके।

### कार्यक्रम के उद्देश्य

कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- भारतीय ज्ञान प्रणाली के दार्शनिक आधार एवं क्षेत्रों की गहन समझ विकसित करना
- समकालीन शिक्षा, शोध एवं सामाजिक विकास में IKS की प्रासंगिकता के प्रति संवेदनशील बनाना
- पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षण विधियों एवं मूल्यांकन में IKS दृष्टिकोण को समाहित करने में सक्षम बनाना
- भारतीय ज्ञान परंपराओं पर आधारित विविधविद्यावर्ती एवं अंतर्विद्यावर्ती दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना
- भारतीय ज्ञान प्रणाली से संबंधित शोध, नवाचार एवं प्रलेखन को बढ़ावा देना
- NEP 2020 के समग्र, मूल्य-आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षा दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षण-अधिगम को संरेखित करना

### लक्षित प्रतिभागी

- विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के सभी संकायों के सदस्य (सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर)
- भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं पाठ्यक्रम विकास में रुचि रखने वाले शिक्षाविद एवं शोधकर्ता

### पाठ्यक्रम विषयवस्तु / माँड्यूल

1. भारतीय ज्ञान प्रणाली की आधारशिला
2. भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं NEP 2020
3. भारतीय ज्ञान परंपराएँ एवं अनुशासन
4. IKS आधारित शिक्षण पद्धतियाँ
5. IKS दृष्टिकोण से पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन
6. शोध, नवाचार एवं सतत विकास में IKS

### कार्यप्रणाली

- भारतीय ज्ञान प्रणाली के विशेषज्ञ विद्वानों द्वारा व्याख्यान
- संवादात्मक सत्र एवं पैनल चर्चा
- समूह गतिविधियाँ, चिंतन एवं प्रस्तुतियाँ
- खुली चर्चा एवं प्रश्न-उत्तर सत्र

### अपेक्षित परिणाम

#### कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी:

- भारतीय ज्ञान प्रणाली की अवधारणात्मक स्पष्टता प्रदर्शित कर सकेंगे
- शिक्षण एवं पाठ्यक्रम निर्माण में IKS दृष्टिकोण को लागू कर सकेंगे
- मूल्य-आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण पद्धतियाँ अपनाने में सक्षम होंगे
- भारतीय ज्ञान ढांचे पर आधारित अंतर्विद्यावर्ती अधिगम को प्रोत्साहित करेंगे
- IKS से संबंधित शोध, नवाचार एवं प्रलेखन में योगदान देंगे

### विषय विशेषज्ञ

भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षाशास्त्र, नीति एवं अंतर्विद्यावर्ती अध्ययन के क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं विद्वान, विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किये जायेंगे।

### प्रमाण-पत्र

- प्रतिभागियों का मूल्यांकन उपस्थिति, सहभागिता एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा
- सफल प्रतिभागियों को UGC कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (CAS), पदोन्नति एवं नियुक्ति हेतु मान्य प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा

### महत्वपूर्ण निर्देश

- सत्र 2025–26 के अंतर्गत सभी कार्यक्रमों हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से करें
- आवेदन के पश्चात अपने कार्य संस्थानों से Forwarding / NOC / Permission अनिवार्य है
- पूर्णतः भरे आवेदन समय से पूर्व पहुँचने चाहिए
- प्रतिभागियों का चयन UGC के मानदंडों के अनुसार किया जाएगा
- सभी कार्यक्रम पूर्णकालिक हैं (प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक)
- सभी सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य है
- अपरिहार्य परिस्थितियों में कार्यक्रम अनुसूची में परिवर्तन संभव है

### कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु आवेदन प्रक्रिया

1. वेबसाइट पर जाएँ: <https://mmc.ugc.ac.in/>
2. प्रथम बार उपयोगकर्ता पंजीकरण करें:  
<https://mmc.ugc.ac.in/registration/index>
3. लॉग-इन क्रेडेंशियल्स ई-मेल द्वारा प्राप्त करें
4. लॉग-इन करें: <https://mmc.ugc.ac.in/LOGIN/Index>
5. “Apply for Training Program” टैब पर जाएँ
6. “Maharshi Dayanand University Rohtak” का चयन करें
7. “Participate” पर क्लिक करें

### संपर्क सूत्र

[dir.fdc@mdurohtak.ac.in](mailto:dir.fdc@mdurohtak.ac.in),

[fdcmmttc@mdurohtak.ac.in](mailto:fdcmmttc@mdurohtak.ac.in)

 कार्यालय दूरभाष: 7015304943

मुख्य संरक्षक  
प्रो. राजबीर सिंह  
माननीय कुलपति  
महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

संरक्षक

प्रो. सुरेश चंद्र मलिक  
डीन, अकादमिक विषय

डॉ. कृष्ण कांत  
कुलसचिव

संयोजक

प्रो. मुनीष गर्ग  
निदेशक, UGC-MMTTC

उप-संयोजक

डॉ. माधुरी हुड्डा  
उप-निदेशक, UGC-MMTTC





## MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY

Rohtak-124001, Haryana

(A+ Grade NAAC Accredited University)

### Malaviya Mission Teacher Training Centre (MMTTC)

Organises

One Week Faculty Development Programme (FDP)

### Integrating Indian Knowledge System in the Current Education Scenario

**Duration: One Week (February 13-18, 2026)**

**Mode: Offline and Online (Blended Mode)**

**Venue: Faculty Development Centre,  
MMTTC, M. D. University, Rohtak**

**Target Group: Open for Teaching Staff of all Streams**

#### Registration Process for the program:

- ❖ Visit <https://mmc.ugc.ac.in/>
- ❖ Register Yourself: <https://mmc.ugc.ac.in/registration/index> if first time user.
- ❖ Receive Confirmation Email with Log-in Credentials
- ❖ Log-in: <https://mmc.ugc.ac.in/LOGIN/Index>
- ❖ Apply for Training Program Tab & select "Maharshi Dayanand University Rohtak" & click on Participate.

## PROGRAM OUTLINE

### 1. Background and Rationale

India possesses a rich and continuous tradition of knowledge encompassing philosophy, science, mathematics, medicine, linguistics, ecology, art, architecture, governance, ethics, and pedagogy. The Indian Knowledge System (IKS) represents an integrated, holistic, and value-based worldview that has evolved over millennia and continues to remain relevant in addressing contemporary societal, environmental, and educational challenges.

The National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasizes the integration of Indian Knowledge Systems into teaching–learning processes at all levels of education, with the objective of fostering cultural rootedness, ethical consciousness, multidisciplinary thinking, and global competitiveness among learners. NEP 2020 envisions Indian education as one that is modern while being firmly grounded in India’s intellectual and cultural heritage.

In this context, higher education teachers play a pivotal role in meaningfully integrating IKS into curricula, pedagogy, research, and assessment practices. However, there exists a need to systematically orient faculty members toward the conceptual foundations of IKS, its interdisciplinary applications, pedagogical strategies, and contemporary relevance.

This One Week Faculty Development Programme is designed to equip teachers with conceptual clarity, pedagogical tools, and practical strategies to integrate Indian Knowledge Systems into the current education scenario in alignment with NEP 2020, UGC guidelines, and global best practices.

### 2. Objectives

The primary objectives of the programme are to:

- Develop an informed understanding of the philosophical foundations and domains of Indian Knowledge Systems.
- Sensitize faculty members to the relevance of IKS in contemporary education, research, and societal development.
- Enable participants to integrate IKS perspectives into curriculum design, teaching methodologies, and assessment practices.
- Promote interdisciplinary and multidisciplinary approaches rooted in Indian knowledge traditions.
- Encourage research, innovation, and documentation in the area of Indian Knowledge Systems.
- Align teaching–learning processes with NEP 2020’s vision of holistic, value-based, and experiential education.

### 3. Target Participants

- Teaching faculty working as Assistant Professors, Associate Professors, and Professors

- Faculty members from Universities, Colleges, and Higher Education Institutions
- Academicians and researchers interested in Indian Knowledge Systems and curriculum.

#### 4. **Course Content / Modules**

- **Foundations of Indian Knowledge Systems**  
Concept, scope, and epistemological framework of IKS
- **IKS and NEP 2020**  
Policy perspectives and implementation strategies in higher education
- **Indian Knowledge Traditions and Disciplines**  
Contributions in science, mathematics, medicine, environment, linguistics, arts, and social sciences
- **Pedagogical Approaches Rooted in IKS**  
Experiential learning, storytelling, dialogue, problem-based and value-based pedagogy
- **Curriculum Design and Assessment through IKS Lens**  
Integrating IKS into syllabi, lesson plans, and evaluation
- **IKS in Research, Innovation, and Sustainability**  
Contemporary applications, case studies, and best practices

#### 5. **Methodology**

- Expert lectures by eminent scholars and practitioners of Indian Knowledge Systems
- Interactive sessions and panel discussions
- Case studies and best-practice sharing
- Group activities, reflections, and presentations
- Open discussions and question–answer sessions

#### 6. **Expected Outcomes**

By the end of the program, participants will be able to:

- Demonstrate conceptual clarity regarding Indian Knowledge Systems and their relevance today.
- Integrate IKS perspectives into classroom teaching and curriculum design.
- Apply value-based and experiential pedagogical practices inspired by Indian traditions.
- Promote interdisciplinary learning grounded in Indian knowledge frameworks.
- Contribute to research, documentation, and innovation related to Indian Knowledge Systems.

## 7. Resource Persons

Eminent academicians, scholars, and practitioners with expertise in Indian Knowledge Systems, pedagogy, policy, and interdisciplinary studies will serve as resource persons for the programme.

## 8. Certification

Participants will be evaluated based on attendance, participation, and engagement in academic activities.

Successful participants will be awarded a Certificate of Participation, valid for UGC Career Advancement Scheme (CAS), promotions, and recruitments, as per prevailing norms.

### Important Instructions

- ❖ The interest should apply through online mode only for the programmes scheduled in session 2025-26 through UGC portal <https://mmc.ugc.ac.in/>
- ❖ Forwarding/ NOC/ Permission from the host institution after submission of the application is mandatory. Applicants are required to send the same from their registered mail id to [fdcmmttc@mdurohtak.ac.in](mailto:fdcmmttc@mdurohtak.ac.in).
- ❖ Duly filled in Applications should reach well in time before the commencement of the programme/ Course. The selection of the participants will be done strictly as per the guidelines and norms of UGC.
- ❖ All programmes are full time. Timings are 10:00 AM to 5:00 PM daily and attendance is mandatory in all sessions.
- ❖ Program schedule may change due to unforeseen circumstances.

## UGC- MMTTC, M. D. University, Rohtak

### Patron in Chief

**Prof. Rajbir Singh**  
Hon'ble Vice Chancellor  
M. D. University, Rohtak

### Patrons

**Prof. Suresh Chander Malik**  
Dean Academic Affairs

**Dr. Krishan Kant**  
Registrar

### Conveners

**Prof. Munish Garg,**  
Director,  
UGC- MMTTC

**Dr. Madhuri Hooda**  
Deputy Director &  
Project Coordinator, UGC- MMTTC

**For any Query, please contact**

[dir.fdc@mdurohtak.ac.in](mailto:dir.fdc@mdurohtak.ac.in), [dd.fdc@mdurohtak.ac.in](mailto:dd.fdc@mdurohtak.ac.in)  
Office no.: 7015304943

